Hindi Murli Quiz 18-01-2015

ये क्विज आज की मुरली पर आधारित है| मुरली सुनने के लिए यहाँ क्लिक करें| पुरानी क्विज के लिए यहाँ क्लिक करें |

Q.1) **'मीठे बच्चे तुम्हारी चलन बहुत रॉयल होनी चाहिए तुम -----------बन रहे हो तो लक्ष्य और लक्षण, कथनी और करनी समान बनाओ '**
[निम्नलिखित में से एक सही उत्तर से रिक्त स्थान भरें]

A. सतोप्रधान
B. देवता
C. बापसमान
D. डायमंड

Q.2) **वाक्यों को उनके अर्थ अनुसार ही मिलाएं -----**

	Choice		Match
A	खुशी का पारा तब चढेगा,	1	तो नष्टोमोहा बनना पड़े ।
B	बाप कल्प-कल्प नई दुनिया बनाते हैं,	2	कहाँ भी ठहरना नहीं है, देखना नही है । आगे बढ़ते जाना है ।
C	टाइम बहुत थोड़ा है, आज और कल का खेल है ,	3	हम कल्प-कल्प नर से नारायण बनते हैं ।
D	इस दुनिया से उस दुनिया मे जाने का बाकी थोड़ा समय है ,	4	इसलिए बच्चों को गफलत नहीं करनी है ।
E	अब तो सुखधाम चलने की ही श्रेष्ठ आश रखनी है,	5	जब बाप को निरन्तर याद करते रहेगे ।
F	बेहद के बाप से पूरा वर्सा लेना है,	6	फिर पिछाड़ी में क्यों देखे ?

Q.3) **सतयुग में ऐसे कोई नही पूछेगा कि तुम राजी-खुशी हो? तबियत ठीक है? यह इस दुनिया मे पूछा जाता है क्योकि यह है ही दु :ख की दुनिया । तुम बच्चों से भी यह कोई पूछ नही सकता । तुम कहेंगे हम ईश्वर के बच्चे, तुम हमसे क्या खुश खैराफत पूछते हो! हम तो सदैव राजी खुशी है । स्वर्ग से भी यहॉ जास्ती खुशी है क्योंकि स्वर्ग स्थापन करने वाला बाप मिला तो सब कुछ मिला ।**

A. True
B. False

Q.4) **आज के वरदान और स्लोगन पर आधारित यह एक्सरसाइज ध्यान से करें और आनन्द लें---**

	Choice		Match
A	एक के साथ सर्व रिश्ता निभाने वाले,	1	उतना सर्व से किनारा होता जायेगा ।
B	जितना सम्पन्न स्टेज के समीप आते जायेंगे,	2	जो ग्लानि करने वाले को भी समीप ले आता है ।
C	जब सब बन्धनों से वृत्ति द्वारा किनारा हो जाए,	3	इससे ही फरिश्ते जीवन की मन्जिल समीप अनुभव होगी ।
D	बाप के साथ सर्व रिश्ते निभाना,	4	सर्व किनारों से मुक्त सम्पूर्ण फरिश्ता भव ;
E	स्नेह ऐसा चुम्बक है,	5	अर्थात् किसी मे भी लगाव न हो तब सम्पूर्ण फरिश्ता बनेगे ।

Q.5) **जितनी बाप से प्रीत बुद्धि होगी उतनी गुप्त खुशी से भरपूर रहेंगे । इसके लिये हमें अपनी दिल से पूछना है कि -----**
[सभी सही उत्तर चयन करें]

A. हम श्रीमत पर चलते हैं वा अपनी मनमत पर?
B. जो लक्ष्य है वह बन भी रहे हैं या सिर्फ कथनी ही है ?
C. हमको इतनी कापारी खुशी है?
D. देवताओ मिसल हमारी चलन है? देवताई दिमाग रहता है?
E. एक बाप की अव्यभिचारी याद है?
F. बापदादा को सामने देखने पर बुद्धि में आता है कि हमारा बाबा, बाप भी है, शिक्षक भी है, सतगुरू भी है ?
G. कोई तमन्ना तो नहीं है?

Q.6) **वाक्यों के अर्थ अनुसार ही मिलाएं ----**

	Choice		Match
A	तुम बच्चे निमित्त बने हो,	1	कदम-कदम पर खबरदारी से चलना, अन्तर्मुखी बनना ।

B	पदमापदमपति बनने का मुख्य साधन है,	2	जैसा कर्म हम करेगे हमको देख और करेगे ।'
C	यह सदैव ध्यान रहे,	3	विश्व मे शान्ति स्थापन करने के ।
D	देह अहंकार का बीज तो आधाकल्प से बोया हुआ है,	4	कर्मातीत बनने का ।
E	यहाँ जितने दिन हो, बाप को याद कर अथाह कमाई जमा करते चलो,	5	अब उसको मर्ज करना है और देही- अभिमानी का बीज बोना है ।
F	जितना समय मिले पुरुषार्थ करो,	6	हिसाब-किताब चुक्तु होता रहेगा उससे कभी भी तंग नहीं होना है ।

Q.7) **बाप बच्चों से पूछते हैं - जैसे ब्रहमा बाप ने सारे ज्ञान का सार स्वयं धारण कर बच्चों को फालो फादर करने की हिम्मत दी, साकार रूप द्वारा अन्तिम महावाक्य अमूल्य सौगात दी, उस सौगात को स्वरूप मे लाया? सौगात के रिटर्न मे बाप को स्वरूप बन दिखाया? सिर्फ तीन बोल जो थे (निराकारी,निरहकारी, निर्विकारी) उनको साकार मे लाया? साकार स्नेह के रिटर्न मे साकार रूप है।   इन ही तीन बोल से बाप ने कर्मातीत अवस्था को पाया, तो फालो फादर ।**

A. True

B. False

Q.8) **बाबा ने समझाया है वह लौकिक बाप भी हद के ब्रहमा हैं। यह फिर है बेहद का । नाम ही है प्रजापिता ब्रहमा । वह हद के ब्रहमा प्रजा रचते है, लिमिटेड । कोई दो चार रचेंगे, कोई नही भी रचते । इनके लिए तो यह कह नही सकेंगे कि सन्तान नही हैं । इनकी सन्तान तो सारी दुनिया है ।**

A. False / ये वाक्य गलत है

B. True / ये वाक्य सही है

Q.9) **अब यह दुनिया खत्म होनी ही है, इसकी बहुत सीरियस हालत है । इस समय सबसे अधिक गुस्सा प्रकृति को आता है इसलिए सब खलास कर देती है । अभी तुम जानते हो यह प्रकृति अपना गुस्सा जोर से दिखायेगी - सारी पुरानी दुनिया को डुबो देगी । फ्लडस होंगे । आग लगेगी । मनुष्य भूखो मरेंगे । अर्थक्येक में मकान आदि सब गिर पड़ेंगे । गैस के ऐसे-ऐसे बाम्ब्स छोडेंगे - जिसकी बॉस (बदबू) से ही मनुष्य मर जाए । यह सब ड़ामा प्लेन बना हुआ है । इसमे दोष किसी का भी नहीं है । विनाश तो होने का ही है इसलिए तुम्हे इस पुरानी दुनिया से बुद्धि का योग हटा देना है ।**

A. False

B. True

Q.10) **वाक्यों को उनके अर्थ अनुसार ही मिलाएं ----**

	Choice		Match
A	स्वभाव बहुत मीठा चाहिए,	1	मनुष्य को स्वभाव ही बहुत तंग करता है ।
B	ज्ञान के तीसरे नेत्र से अपने डिफेक्ट को निकाल प्युअर डायमंड बनना है,	2	सदा इस समर्थी स्वरूप मे रहो ।
C	बाप तुम्हें बन्धन से छुड़ाकर अलौकिक सम्बन्ध में ले जाते हैं,	3	अब बेहद के बाप और बेहद के सुख के वर्से से सम्बन्ध रखो ।
D	यह संकल्प करो-जो बाप की पसन्दी वही मेरी पसन्दी,	4	यह है स्नेह का रिटर्न ।
E	विजय आपका तिलक है, जन्म सिद्ध अधिकार है,	5	थोड़ा भी डिफेक्ट होगा तो वैल्यु कम हो जायेगी ।